

अनुसंधान रोडमैप के लिए चिंतन सत्र

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) ने अगले 25 साल के लिए अनुसंधान रोडमैप बनाने के लिए चिंतन सत्र का आयोजन किया। वृहस्पतिवार को एफआरआई के दीक्षांत सभागार में आयोजित सत्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भारत ज्योति ने वतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने वानिकी क्षेत्र में शोध व अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। एफआरआई की निदेशक डा.रेणु सिंह ने चिंतन सत्र में प्रतिभाग कर रहे अधिकारियों व विषय विशेषज्ञों का स्वागत किया। इस अवसर पर परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत, सुनील वरुणी, डा.विजय कुमार, जगदीश चंद्र, आरपी सिंह, विजया रात्रे आदि भी मौजूद थे।

THE HAWK 01-7-2022

Chintan Satra—The Research Roadmap Of ICFRE Organised At FRI, Dehradun

Dehradun (The Hawk): Chintan Satra the research roadmap of Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) was organised on the 30th of June in the convocation hall of Forest Research Institute, Dehradun. Sh. Bharat Jyoti, IFS, Director Indira Gandhi National Forest Academy, Dehradun was the chief guest for the occasion and presided over the inaugural session and also delivered the key note address. Director, Forest Research Institute(FRI), Dr. Renu Singh, IFS delivered the welcome address on the occasion. She welcomed the Chief Guest Sh. Bharat Jyoti, Director General Indian Council of Forestry Research and Education, Sh. A.S. Rawat, IFS, Sh. Suneesh Bakshi, IFS, IG(RT),

MoEF&CC, Principal Chief Conservators of Forests from different states, senior forest officers, senior scientists from ICAR,NBPGR,ICFRE and FRI, researchers from different universities, Ph. D scholars, progressive farmers and representatives of the press and media to this one day brainstorming session of ICFRE. She then called on Director General, Indian Council of Forestry Research and Education for the inaugural address. Sh. Rawat spoke at length about the importance of forests, and the services rendered by them as also about the competing pressures on the forests. He spoke about the need to brainstorm ideas to reorient the research to meet the emerging challenges in the field.



This was followed by a presentation on the overall activities of Indian Council of Forestry Research and Education by Dr. H.S. Ginwal, Scientist-G. Subsequently, the delegates were organised into six thematic groups which deliberated on different thrust areas. Working Group I worked on the thrust area Managing Forests and Forest Products for livelihood. The deliberations were chaired by Dr. Vijay Kumar, IFS, PCCF, Uttarakhand. The Working Group II deliberated on the thrust area of Biodiversity Conservation and Ecological Security. The deliberations were chaired by Dr. D h a n a n j a y Mohan, IFS, PCCF and MD, Forest Development Corporation, Uttarakhand. Working Group III worked on the thrust area Forest and Climate Change and the deliberations were chaired by Ms. Madhu Sharma, IFS, PCCF, Karnataka Forest Department. Working Group IV worked on the thrust area Forest Genetic Resources Management and Tree Im-

provement. The deliberations were chaired by Sh. Jagdish Chandra, IFS, PCCF and HoFF, Haryana Forest Department. Working Group V worked on the thrust area Forestry Education and Policy Research and meeting emerging challenges. The deliberations were chaired by Sh. Bharat Jyoti, IFS, Director, IGNFA. Working Group VI worked on the thrust area Forestry Extension for taking research to the people. The deliberations were chaired by Dr. M.P. Singh, IFS, Director, IWST, Bangalore.

The deliberations were

followed by presentations made by the individual working groups on the recommendations from the six thrust areas. Vote of thanks was delivered by Shri R.P. Singh, IFS, Head Silviculture and Forest Management Division. The programme was compared by Ms. Vijaya Rathe, IFS, Asstt Silva (G), FRI All Dy. Director Generals, Assistant Director Generals, Scientists of ICFRE and FRI participated in the programme. The entire team of FRI under the guidance of Director, FRI contributed immensely in making the programme a success.

वन अनुसंधान संस्थान द्वारा चिंतन सत्र का आयोजन

देहरादून, संवाददाता। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफ आई) का आगामी 25 वर्ष के लिए अनुसंधान रोडमैप बनाने हेतु वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा 30 जून को चिंतन सत्र का आयोजन के संस्थान के दीक्षांत गृह में किया गया। श्री भारत ज्योति, भा. व. से., निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की तथा मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), डॉ. रेणु सिंह, भा. व. से. ने स्वागत भाषण दिया।

उन्होंने मुख्य अतिथि श्री भारत ज्योति, श्री ए. एस. रावत, भा. व. से. महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, श्री सुनील बख्शी, भा. व. से., आईजी (आरटी),



एमओईए और सीसी, विभिन्न राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वरिष्ठ वन अधिकारी, आई. सी. ए. आर. एन. बी. पी. जी. आर., आई. सी. एफ. आर. आई, और एफ. आर. आई, के वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधकर्ता, पीएचडी स्कोलर्स, प्रगतिशील किसान और प्रेस और मीडिया के प्रतिनिधि का आई. सी. एफ. आर. आई. के एक दिवसीय विचार-

मंथन सत्र में स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने उद्घाटन भाषण के लिए श्री अरुण सिंह रावत, भा. व. से. महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को आमंत्रित किया। श्री रावत ने वनों के महत्व और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के साथ-साथ जंगलों पर प्रतिस्पर्धा के दबाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वानिकी के

क्षेत्र में उत्तरी चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान को फिर से उमूख करने के लिए विचारों पर विचार-मंथन करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके बाद डॉ. एच.एस. गिनवाल, वैज्ञानिक-जी एवं दीन वन अनुसंधान संस्थान सम विश्व विद्यालय द्वारा भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद की समग्र गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई।

इसके बाद, प्रतिनिधियों को छह विषयगत समूहों में बांटा गया, जिन्होंने विभिन्न वानिकी के महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। कार्य समूह दू ने आजीविका के लिए वन और वन उत्पादों के प्रबंधन पर जोर देने वाले क्षेत्र पर काम किया। विचार-विमर्श की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार, भा. व. से. पीसीसीएफ, उत्तराखण्ड ने की। कार्य समूह दू ने जेव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक सुरक्षा के

महत्वपूर्ण क्षेत्र पर विचार-विमर्श किया। विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता डॉ. धनंजय मोहन, भा. व. से., पीसीसीएफ और एमडी, वन विकास निगम, उत्तराखण्ड ने की। कार्य समूह दू ने वन एवं जलवायु परिवर्तन पर विचार-विमर्श किया और विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता सुश्री मधु शर्मा, भा. व. से., पीसीसीएफ, कर्नाटक वन विभाग ने की। कार्यक्रम का संचालन सुश्री विजय राव, भा. व. से., सहायक सिल्वर, एफआरआई द्वारा किया गया। चिंतन सत्र में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सभी उप महानिदेशक, सहायक महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान के मार्गदर्शन में वन अनुसंधान संस्थान की पूरी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

रोडमैप तैयार करने में जुटे वनाधिकारी

चिंतन सत्र में देश भर के वरिष्ठ वनाधिकारियों ने साझा कीं जानकारियां

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। वन अनुसंधान के क्षेत्र में आगामी 25 साल का रोडमैप तैयार करने को लेकर भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) की ओर से वन अनुसंधान संस्थान में चिंतन सत्र में देश भर के वरिष्ठ वनाधिकारियों ने जानकारियां साझा करने के साथ ही चर्चा की।

चिंतन सत्र के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भारत ज्योति थे। उद्घाटन भाषण में आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने वनों के

महत्व और जंगलों पर प्रतिस्पर्धा के दबाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वानिकी के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान को फिर से उन्मुख करने के लिए जरूरत पर बल दिया। एफआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एचएस गिनवाल ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और परिषद की समग्र गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

सत्र में वन और वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकी सुरक्षा, वन एवं जलवायु परिवर्तन, वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन और वृक्ष सुधार, वानिकी शिक्षा और नीति अनुसंधान

और उभरती चुनौतियों समेत तमाम मुद्दों पर चर्चा की।

सत्र को पीसीसीएफ डॉ. विजय कुमार, डॉ. धनंजय मोहन, मधु शर्मा, जगदीश चंद्र, आईजीएनएफए निदेशक भारत ज्योति, डॉ. एमपी सिंह निदेशक आईडब्ल्यूएसटी बंगलूरु, आरपी सिंह, वन अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. रेणु सिंह आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर सुनीश बख्शी, एमओईएफ व सीसी, कई राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वरिष्ठ वन अधिकारी, आईसीएआर, एनबीपीजीआर, आईसीएफआरई और एफआरआई आदि के वरिष्ठ वैज्ञानिक आदि मौजूद थे।

अनुसंधान रोड मैप बनाने को एफआरआई में हुआ मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरआई) का आगामी 25 वर्ष के लिए अनुसंधान रोडमैप बनाने के लिए वन अनुसंधान संस्थान ने गुरुवार को चिंतन सत्र का आयोजन के संस्थान के दीक्षांत गृह में किया गया।

भारत ज्योति, भा. व. से., निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की तथा मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), डॉ. रेणु सिंह, भा. व. से. ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने मुख्य अतिथि भारत ज्योति, ए. एस. रावत, भा. व. से. महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, सुनील बखशी, भा. व. से., आईजी (आरटी), एमओईएफ और सीसी, विभिन्न राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वरिष्ठ वन अधिकारी, आई. सी. ए. आर., एन.बी.पी.जी.आर., आई.सी.एफ.आर.आई. और एफ.आर.आई., के वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधकर्ता, पीएचडी स्कोलर्स, प्रगतिशील



■ संस्थान के दीक्षांत गृह में आयोजित किया गया चिंतन सत्र, कई विशेषज्ञों ने रखे विचार

किसान और प्रेस और मीडिया के प्रतिनिधि का आई.सी.एफ.आर.आई. के एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र में स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने उद्घाटन भाषण के लिए अरुण सिंह रावत, भा. व. से. महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को आमंत्रित किया। रावत ने वनों के महत्व और उनके प्रदान की जाने वाली सेवाओं के साथ-साथ जंगलों पर प्रतिस्पर्धा के दबाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने वानिकी के क्षेत्र में

उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान को फिर से उन्मुख करने के लिए विचारों पर विचार-मंथन करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके बाद डॉ. एच. एस. गिनवाल, वैज्ञानिक-जी एवं दीन वन अनुसंधान संस्थान सम विश्व विद्यालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद की समग्र गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। इसके बाद, प्रतिनिधियों को छह विषयगत समूहों में बांटा गया, जिन्होंने विभिन्न वानिकी के महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। कार्य समूह ने आजीविका के लिए वन और वन उत्पादों के प्रबंधन पर जोर देने वाले क्षेत्र पर काम किया। विचार-विमर्श की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार, भा. व. से. पीसीसीएफ, उत्तराखंड ने की। कार्य

समूह ने जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक सुरक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र पर विचार-विमर्श किया। विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता डॉ. धनंजय मोहन, भा. व. से., पीसीसीएफ और एमडी, वन विकास निगम, उत्तराखंड ने की। कार्य समूह थर्ड ने वन एवं जलवायु परिवर्तन पर विचार विमर्श किया और विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता मधु शर्मा, भा. व. से., पीसीसीएफ, कर्नाटक वन विभाग ने की। कार्य समूह चौथी ने मुख्य क्षेत्र वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन और वृक्ष सुधार पर विचार-विमर्श किया। विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता जगदीश चंद्र, भा. व. से., पीसीसीएफ और वन बल के प्रमुख, हरियाणा वन विभाग ने की। कार्य समूह 5वीं ने प्रमुख क्षेत्र वानिकी शिक्षा और नीति अनुसंधान और उभरती चुनौतियों का सामना करने पर विचार-विमर्श किया।

विचार-विमर्श समूह की अध्यक्षता भारत ज्योति, भा. व. से., निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी ने की। कार्य समूह 6वीं ने अनुसंधान को लोगों तक पहुंचाने के लिए वानिकी विस्तार पर विचार-विमर्श किया।